CBT अप्रैल 2025

कक्षा-10वीं हिन्दी

निम्नांकित पठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्न संख्या 1 से 5 तक के उत्तर दीजिए-

उधौ, तुम हौ अति बड़भागी।
अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी।
पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।
ज्यौं जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी।
प्रीति-नदी में पाँव न बोरयौ, दृष्टि न रूप परागी।
'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी।

1. पद्यांश किस रचना खंड से उद्धृत है?
   (i) साहित्य लहरी से
   (ii) सूरसागर से
   (iii) सुर सारावली से
   (iv) इनमें से सभी
2. पद्यांश किस भाषा में लिखी गई है?
   (i) मैथिली
   (ii) अवधी
   (iii) ब्रज
   (iv) संस्कृत
3. उद्धव के व्यवहार की तुलना किस-किस से की गई है?
   (i) कमल के पत्ते से
   (ii) तेल की मटकी से
   (iii) उपरोक्त दोनों
   (iv) इनमें से कोई नहीं

4. 'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी।

कथन के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए -

कथन-

I.गोपियाँ अबला और भोरी हैं |

II.सूरदास अबला और भोरी है |

III.कृष्ण को गुड़ के समान बताया गया है |

IV.गोपियों को चींटी के समान बताया गया है |

विकल्प-

(i) कथन I और II सही हैं

(ii) कथन I, III और IV सही हैं

(iii) केवल कथन III सही है

(iv) कथन I, II और IV सही हैं

5. कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए :

कथन **(A):** उद्धव को 'अति बड़भागी' कहा गया है।

कारण **(R):** उद्धव स्नेह और प्रेम के बंधन से मुक्त हैं।

(i) कथन (A) गलत है, किन्तु कारण (R) सही है

(ii) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत है

(iii) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है

(iv) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है

निम्नलिखित पठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्न संख्या 6 से 10 तक के उत्तर दीजिए :

हालदार साहब को यह सब कुछ बड़ा विचित्र और कौतुकभरा लग रहा था। इन्हीं खयालों में खोए-खोए पान के पैसे चुकाकर, चमेवाले की देश-भक्ति के समक्ष नतमस्तक होते हुए वह जीप की तरफ़ चले, फिर रुके, पीछे मुड़े और पानवाले के पास जाकर पूछा, क्या कैप्टन चश्मेवाला नेताजी का साथी है? या आज़ाद हिंद फौज का भूतपूर्व सिपाही? पानवाला नया पान खा रहा था। पान पकड़े अपने हाथ को मुँह से डेढ़ इंच दूर रोककर उसने हालदार साहब को ध्यान से देखा, फिर अपनी लाल-काली बत्तीसी दिखाई और

मुसकराकर- नहीं साब! वो लँगड़ा क्या जाएगा फौज़ में। पागल है पागल! वो देखो, वो आ रहा है। आप उसी से बात कर लो। फोटो-वोटो छपवा दो उसका कहीं।

6. हालदार साहब किसके सामने नतमस्तक हो गए?

क) पानवाले की देशभक्ति के समक्ष

ख) नेताजी की मूर्ति के समक्ष

ग) कैप्टन चश्मेवाले की देशभक्ति के समक्ष।

घ) उपर्युक्त सभी के समक्ष

7. कैप्टन के विषय में हालदार साहब क्या सोच रहे थे?

क) आजाद हिंद फौज का सिपाही।

ख) भूतपूर्व सैनिक।

ग) नेताजी का साथी।

घ) उपर्युक्त सभी।

8. पानवाला कैप्टन का क्या कहकर मज़ाक उड़ाता था?

क) वह लँगड़ा है।

ख) वह पागल है।

ग) वो लँगड़ा क्या जाएगा फ़ौज में। पागल है पागल।

घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

9. उसका मज़ाक उड़ाना आपको कैसा लगता है?

क) अच्छा लगता।

ख) मन प्रसन्न हो जाता है।

ग) ऐसे देश भक्तों के अपमान से मन हाहत होता है।

घ) ऐसे देश भक्तों के अपमान से मन आहत होता है।

10. लाल - काली बत्तीसी किसकी है?

क) हालदार साहब।

ख) कैप्टन चश्मे वाले की।

ग) उपर्युक्त दोनों की।

घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

ANSWER KEY

उत्तर 1- (ii)सूरसागर से

व्याख्या: इस पद्यांश में गोपियों के माध्यम से कृष्ण के प्रेम और भक्ति के गहरे पहलुओं को व्यक्त किया गया है। सूरदास ने 'सूरसागर' में गोपियों और कृष्ण की संवाद शैली को खूबसूरती से चित्रित किया है।

उत्तर 2- (iii) ब्रज

व्याख्या: सूरदास की अधिकांश रचनाएँ ब्रज भाषा में लिखी गई हैं। यह भाषा उस समय की लोकभाषा थी और इसे कृष्ण भक्ति की अभिव्यक्ति के लिए उपयुक्त माना जाता था।

उत्तर 3- (iii) उपरोक्त दोनों

व्याख्या: कमल का पत्ता जल में रहकर भी उससे अप्रभावित रहता है, और तेल की मटकी में तेल की बूँदें बिना गीली हुए रहती हैं। यह उदाहरण उद्धव के उन गुणों का प्रतीक है, जो प्रेम और भक्ति से अप्रभावित रहते हैं।

उत्तर 4- (ii) कथन I, III और IV सही हैं

व्याख्या: गोपियों को अबला (असहाय) और भोरी (भोली) बताया गया है, जो उनके मासूमियत और कृष्ण के प्रेम के प्रति उनके समर्पण का प्रतीक है। कृष्ण को गुड़ के समान माना गया है, और गोपियों को चींटी के समान, जो गुड़ की ओर आकर्षित होती हैं।

उत्तर 5- (iii) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है

व्याख्या: उद्धव को 'अति बड़भागी' कहा गया है क्योंकि वे स्नेह और प्रेम के बंधनों से मुक्त हैं। यह उनके आध्यात्मिक दृष्टिकोण का वर्णन करता है, जो गोपियों के भावनात्मक प्रेम से भिन्न है।

उत्तर 6- (ग) कैप्टन चश्मे वाले के समक्ष।

व्याख्या: गद्यांश में उल्लेख है कि हालदार साहब पानवाले की देशभक्ति को देखकर नतमस्तक हो गए। यह उनकी इस भावना को दर्शाता है कि वह साधारण व्यक्तियों के देशप्रेम को भी आदर की दृष्टि से देखते थे।

उत्तर 7- (घ) उपर्युक्त सभी

व्याख्या: हालदार साहब कैप्टन चश्मेवाले को नेताजी का साथी, आजाद हिंद फौज का सिपाही और भूतपूर्व सैनिक समझते थे। यह उनकी धारणा को दर्शाता है कि वह उसकी संभावित देशभक्ति को लेकर गंभीर थे।

उत्तर 8- (ग) वो लँगड़ा क्या जाएगा फ़ौज में। पागल है पागल।

व्याख्या: पानवाला कैप्टन के शारीरिक दुर्बलता और व्यवहार पर टिप्पणी करके उसका मज़ाक उड़ाता था, जो उसके प्रति अपमानजनक दृष्टिकोण को दिखाता है।

उत्तर 9- (घ) ऐसे देश भक्तों के अपमान से मन आहत होता है।

व्याख्या: यह उत्तर यह दर्शाता है कि ऐसे व्यक्तियों के प्रति अपमानजनक व्यवहार सामाजिक और नैतिक दृष्टिकोण से गलत है, और यह हमें भीतर से आहत करता है।

उत्तर 10- (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

व्याख्या: गद्यांश में लाल-काली बत्तीसी पानवाले की है। वह इसको दिखाकर हालदार साहब को हास्यपूर्ण उत्तर देता है।